प्रकार के प्राणी मुग्ध हो जाते हैं। ~~किन्तु~~ जबकि वास्तु, चित्र, मूर्ति आदि कलाओं से केवल चेतन प्राणी ही आकृष्ट होता है। काव्य कला से अनुभूति केवल मनुष्य ही कर सकते हैं। किन्तु कविता को सुनकर मनुष्य भले ही मुग्ध हो जाए लेकिन जन्तु पर इनका प्रभाव थोड़ा भी नहीं पड़ता है। संगीत ही एक ऐसी कला है, जिसको सुनकर मनुष्य ही मुग्ध हो जाते हैं, पेड़ पौधा तथा लताओं में हरियाली छा जाती है। पाश्चात्य वैज्ञानिकों का कहना है कि संगीत के माध्यम से पौधों का विकास होता है। संगीत के माध्यम से बहुत सारी बिमारियों का इलाज किया जाता है।

संगीत कला एक ओर मानव मनोरंजन का साधन है तो दूसरी ओर आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से ईश्वर के सम्मुख प्राप्त करने का मार्ग है। अतः प्रत्येक दृष्टि से यह सिद्ध हो जाता है कि अन्य कलाओं में से संगीत का स्थान सर्वश्रेष्ठ या सर्वोच्च है।